



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं 73]

No. 73]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 29, 1980/वैशाख 9, 1902

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 29, 1980/VAISAKHA 9, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1980

सं. एफ० 4(5)—डब्ल्यू ऐड एम/80.—6 प्रतिशत ऋण, 1986
7 प्रतिशत ऋण, 1998 और 7.50 प्रतिशत ऋण, 2010 के लिए
12 मई 1980 में अभिदान स्वीकार किये जाएंगे। अभिदान तकदी में
या भारत सरकार के 4वीं प्रतिशत ऋण, 1980 की प्रतिभूतियों के रूप
में स्वीकार किये जाएंगे। जैसे ही यह विनिर्दिष्ट होगा कि तकदी और
परिवर्तन राशि के रूप में प्राप्त कुल अभिदान राशि अनुमानतः 600
करोड़ रुपयों (सांकेतिक) तक पहुंच गयी है, बिना सूचना दिये किन्तु
किसी भी दशा में 13 मई 1980 को कारोबार समाप्त होने से पूर्व,
इन निर्गमों को बंद कर दिया जाएगा। सरकार को 600 करोड़ रुपयों
से अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत तक के अभिदानों को रख लेने का अधिकार
है।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 660 करोड़ रुपयों
(सांकेतिक) से अधिक हो तो तकदी में अभिदान करने वालों को आंशिक
आवंटन दिया जाएगा। यदि तकदी में प्राप्त अभिदानों के संबंध में आंशिक
आवंटन किया जाता है तो आवंटन के बाव यथाशीघ्र आनुपातिक राशि
लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशि पर कोई ब्याज अदा
नहीं किया जाएगा।

3. ₹० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और
12 मई 1986 को सममूल्य पर प्रतिदेय 6 प्रतिशत ऋण, 1986—

(1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 12 मई 1986 को
सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

GI/80

(2) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक ₹० 100.00 (सांकेतिक)
का निर्गम मूल्य ₹० 100.00 होगा।

(3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 12 मई 1980 से वार्षिक
6 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 12 नवंबर और 12 मई
को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज
पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन
प्रायकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

4. ₹० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और
12 मई 1998 को सममूल्य पर प्रतिदेय 7 प्रतिशत ऋण, 1998—

(1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 12 मई 1998 को
सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(2) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक ₹० 100.00 (सांकेतिक)
का निर्गम मूल्य ₹० 100.00 होगा।

(3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 12 मई 1980 से वार्षिक
7 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 12 नवंबर और 12 मई
को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज
पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन
प्रायकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

5. ₹० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और
12 मई 2010 को सममूल्य पर प्रतिदेय 7.50 प्रतिशत ऋण, 2010—

(1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 12 मई 2010 को सममूल्य
पर वापस अदा किया जाएगा।

(2) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक ₹० 100.00 (सांकेतिक)
का निर्गम मूल्य ₹० 100.00 होगा।

(341)

(3) व्याज—इस ऋण की व्याज दर 12 मई 1980 से वार्षिक 7.50 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 12 नवम्बर और 12 मई को व्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये व्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

परिवर्तन की शर्तें

6. 4^औ प्रतिशत ऋण 1980 की प्रतिभूतियों को मममूल्य पर नये ऋणों में परिवर्तित करने के लिए स्वीकार किया जाएगा।

नयी प्रतिभूतियाँ जारी करने समय परिवर्तन के लिए प्रस्तुत की गयी 4^औ प्रतिशत ऋण 1980 की प्रतिभूतियों पर वार्षिक 4^औ प्रतिशत की दर पर 11 मई 1980 तक (उम तारीख को भी मिलाकर) व्याज अदा किया जाएगा।

पूरक व्यवस्थाएँ

7. व्याज अदा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, बम्बई, कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली और पटना में स्थित लोक ऋण कार्यालयों, भारत में जम्मू और काश्मीर तथा मिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप राजकोष में और जम्मू तथा श्रीनगर में स्थित केन्द्रीय सरकार के बैंक और जेब्या कार्यालयों में व्याज अदा किया जायेगा।

8. व्याज अदा करने समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा) काटे गये कर की वापसी अदायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जो सम्मान्य नहीं हैं या जिनपर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हो।

जो धारक कर-प्राप्त नहीं है या निर्धारित दर से एकम दर पर कर-प्राप्त है वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतर दर पर कर की कटौती कर उसे व्याज अदा किया जाए।

9. अब जारी किये जानेवाले ऋणों पर और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले व्याज तथा अन्य अनुमानित निवेशों से मिलने वाला लाभ को वार्षिक 3,000 रुपये की सीमा तक और आय कर अधिनियम, 1961 के तहत 805 के अन्य उपबंधों के अधीन आय कर से छूट प्राप्त होगी।

10. अब जारी किये जाने वाले ऋणों से किये जाने वाले निवेशों के मूल्य इनके पक्ष में सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी 1,50,000 रुपये की सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

11. प्रतिभूतियाँ निम्नलिखित के रूप में जारी की जाएंगी

- (1) स्टॉक प्रमाणपत्र या
- (2) वचनपत्र।

यदि आवेदक इनमें से किसी का उल्लेख न करें तो उसे वचनपत्रों के रूप में प्रतिभूतियाँ जारी की जाएंगी।

12. ऋणों के लिए आवेदन-पत्र-ऋणों के लिए आवेदन-पत्र रु० 100 या उनके गुणों के लिए होने चाहिए।

13. आवेदन-पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जाएंगे—

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, बंबई (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली और पटना में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय, और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में अन्य सभी स्थानों पर भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएँ।

14. आवेदन-पत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें अपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि और विवरण, आवेदक के पूरे नाम और पते तथा उम कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहाँ आवेदक व्याज की अदायगी की अपेक्षा करता हो।

15. आवेदन-पत्रों के साथ आवश्यक राशि तकदी या चेक या परिवर्तन के लिए प्रस्तुत 4^औ प्रतिशत ऋण 1980 की प्रतिभूतियों के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चेक संबन्धित बैंक के नाम आहरित किये जाने चाहिए।

परिवर्तन के लिए प्रस्तुत प्रतिभूतियों के संबंध में उनके धारक को चाहिए कि वह—

- (1) स्टॉक प्रमाणपत्रों के मामले में प्रमाणपत्र के पीछे दिये गये अंतरण विनियम के फार्म पर किसी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर कर
- (2) वचनपत्रों के मामले में उन्हें निम्न प्रकार पृष्ठांकित कर, "भारत के राष्ट्रपति को अदा करें"

उन्हें सरकार को अंतरित कर दे।

16. स्वीकृत बैंकों और दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मोहरयुक्त ऋण-आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर प्रति रु० 100 (माकेतिक) 6 पैमे की दर पर दलाली अदा की जाएगी।

दलाली की अदायगी के लिए दावा ऋण जारी किये जाने की तारीख से छः महीने के भीतर अदायगी कार्यालयों में पेश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश से
अखिलेश चंद्र निवारी, संयुक्त सचिव

आवेदन-पत्र का फार्म

मैं/हम * _____ इसके साथ _____ रुपये * "तकदी में
(पूरा/पुरे नाम बड़े अक्षरों में)

_____ बैंक के रूप

(रुपये _____) / रु० _____ के माकेतिक मूल्य के भारत सरकार के 4^औ प्रतिशत ऋण 1980 की प्रतिभूतियाँ *प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं* और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं* कि मुझे/हमें *नीचे उल्लिखित मूल्य वर्ग/मूल्य वर्गों में वचनपत्र (पत्रों) के रूप में _____

(—)

स्टॉक प्रमाणपत्र

रुपयों के माकेतिक मूल्य के 6 प्रतिशत ऋण 1986*/7 प्रतिशत ऋण, 1998*/7.50 प्रतिशत ऋण, 2010* का प्रतिभूतियाँ जारी की जाएं:—

प्रति वचनपत्र रु० _____ के _____ वचनपत्र

प्रति वचनपत्र रु० _____ के _____ वचनपत्र

प्रति वचनपत्र रु० _____ के _____ वचनपत्र

2. में/हम* चाहता हूँ/चाहता है* कि उनका ब्याज—में भ्रदा किया जाए ।

विशेष टिप्पणी : इस खाने में आवेदक कुछ न लिखे ।

सारी प्रविष्टियाँ लोक ऋण कार्यालय द्वारा की जाएंगी ।

आवेदन पत्र में	छोटे हस्ताक्षर	दिनांक	हस्ताक्षर
'बनानी नही' मुहर			पूरा (पूरे) नाम (बड़े अक्षरों में)
नकदी प्राप्त होने की तारीख			
चेक बमूल होने की तारीख			पता
विशेष चाह खाने में जमा किया गया			
जाच की गयी			
नकदी आवेदन पत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया			
बनानी रजिस्टर में दर्ज किया गया			
संग पत्र में			
प्रतिभूति में			
कार्ड में		दिनांक	मई 1980
को बाउचर			
पारित किया गया			

* जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए ।

(+) रु० 100, रु० 200, रु० 500, रु० 1,000, रु० 5,000, रु० 10,000, रु० 25,000, रु० 50,000 और रु० 1,00,000 के मुख्य वर्गों में वचनपत्र जारी किये जाएंगे । जो मुख्य वर्ग अपेक्षित हो उसका उल्लेख यहाँ किया जाए ।

टिप्पणी (1) परिवर्तन के लिए प्रस्तुत प्रतिभूतियाँ यदि वचनपत्रों के रूप में हों तो उन्हें आवेदक के हस्ताक्षरों सहित इन शब्दों के साथ पृष्ठांकित किया जाए, "भारत के राष्ट्रपति को खदा करें" और यदि वे स्टाक प्रमाणपत्रों के रूप में हों तो पीछे के अंतरण विनियम पर जोरदार किसी गार्शी के समक्ष हस्ताक्षर करें ।

(2) प्रत्येक ऋण, अभिदान के प्रत्येक प्रकार और वर्णित नये ऋण की प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टाक प्रमाणपत्र या वचनपत्र) के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए ।

(3) यदि आवेदक के हस्ताक्षर झूठ के निशान के रूप में हों तो दो व्यक्ति उसके गार्शी हों । गार्शियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएंगे ।

(4) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज यदि वे लोक ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो संलग्न किये जाएंगे :

- (1) निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के साथ जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा उसकी प्रमाणित प्रतिलिपि ।
- (2) कंपनी/निकाय के ज्ञापन पत्र और अंतर्निधम या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियाँ ।
- (3) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेन देन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्तियों के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि ।

(5) जो आवेदक स्टाक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियाँ प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें छमाही ब्याज के प्रेषण के लिए (लोक ऋण धारिता में उपलब्ध) प्रायोजन फार्म भी भरना चाहिए ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th April, 1980

No. F. 4(5)-W&M/80.—Subscriptions for the issues of 6 per cent Loan, 1986, 7 per cent Loan, 1998 and 7.50 per cent Loan, 2010 will be received from the 12th May, 1980. Subscriptions will be received in the form of cash or of securities of Government of India 4-3/4 per cent Loan, 1980 and the issues will be closed without notice as soon as it appears that the total subscriptions in cash and conversion amount approximately to Rs. 600 crores (Nominal) and in any case not later than the close of business on the 13th May, 1980. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent in excess of the sum of Rs. 600 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 660 crores (Nominal), partial allotment will be made to the subscribers in cash. If partial allotment is made in respect of subscriptions receipt in cash, a proportionate refund will be made as soon as possible after allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 6per cent Loan, 1986 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 12th May, 1986.

(i) Date of repayment—The Loan will be repaid at par on the 12th May, 1986.

- (ii) Issue Price—The Issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 6 per cent per annum from 12th May, 1980. Interest will be paid half-yearly on the 12th November and 12th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.
4. 7 per cent Loan, 1998 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 12th May, 1998.

- (i) Date of repayment—The Loan will be repaid at par on the 12th May, 1998.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 7 per cent per annum from 12th May 1980. Interest will be paid half-yearly on the 12th November and 12th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. 7.50 per cent Loan, 2010 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 12th May, 2010.

- (i) Date of repayment—The Loan will be repaid at par on the 12th May, 2010.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 7.50 per cent per annum from 12th May, 1980. Interest will be paid half-yearly on the 12th November and 12th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

CONVERSION TERMS

6. The securities of 4-3/4 per cent. Loan, 1980 will be accepted for conversion into the new loans at par.

Interest on the securities of 4-3/4 per cent. Loan, 1980 tendered for conversion will be paid at the rate of 4-3/4 per cent per annum up to and inclusive of 11th May, 1980 at the time of the issue of new securities.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

7. Place of payment of interest—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna, at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu and Kashmir and Sikkim, and also at the Central Government's Pay and Accounts Offices at Jammu and Srinagar.

8. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the

district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

9. Interest on all the loans now issued together with interest on other previous Government securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 3,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

10. The value of investment in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the wealth-tax upto Rs. 1,50,000.

11. The securities will be issued in the form of —
(i) Stock Certificates, or

(ii) Promissory Notes,

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Promissory Notes.

12. Applications for the loans—Applications for the loans must be for Rs. 100 or a multiple of that sum.

13. Applications will be received at —

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna; and

(b) Branches of the State Bank of India at all places in India except at (a) above.

14. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

15. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque or securities of the 4-3/4 per cent. Loan, 1980 which are offered for conversion. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

The securities tendered for conversion must be transferred by the holder to the Government —

(i) in the case of Stock Certificates, by signing the form of transfer deed on the reverse of the certificate before a witness,

(ii) in the case of Promissory Notes, by endorsing them in the manner indicated below :

“Pay to the President of India”.

16. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the paying offices within six months from the date of floatation of the loans.

By order of the President,

A. C. TIWARI, Jt. Secy.

FORM OF APPLICATION

I/We*
(Full name(s) in Block letters)

.....herewith

tender *CashRs. (Rupees)
*Cheque for

*Securities of Government of India 4-3/4 per cent. Loan, 1980 of the nominal value of Rs.
and request that securities of 6 per cent. Loan, 1986* 7 per cent. Loan, 1998* 7.50 per cent. Loan, 2010* of the nominal value of Rs. may be issued to me/us* in the form

of Promissory Note(s) (+) in the denomination(s) stated below:—
Stock Certificate

..... Promissory Note(s) of Rs. each
..... Promissory Note(s) of Rs. each
..... Promissory Note(s) of Rs. each

2. I/We* desire that interest be paid at

N.B.:—The applicant should not write anything in this cage the entries will be filled in
by the Public Debt Office

	Initials	Date
Application No		
N. B. Stamp		
Cash received on		
		Signature(s)
		Name(s) in full
		(Block letters)
Cheque realised on		
Credited to Special Current Account on		
Examined		Address
Cash Applications Register posted		
Brokerage Register posted		
Indent No.		
Script No.		Dated the of
Card No.		May 1980.
Voucher passed on		

*Delete what is not required.

(+) Promissory Notes will be issued in denominations of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 500, Rs. 1,000, Rs. 5,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000, and 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

NOTES.—(1) Securities tendered for conversion should be endorsed with the words "Pay to the President of India" over the signature of the applicant, if they are in the form of Promissory Notes, and the transfer deed on the reverse should be signed by him before a witness, if they are in the form of Stock Certificates.

(2) Separate applications should be made for each Loan, each form of subscription and each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the new Loan required.

(3) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

(4) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered

at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application :—

- (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
- (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/ Bye-Laws of the company/body.
- (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).

(5) Applicants desiring the issue of scrip in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.

